केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - १

रविवार, १० जुलाई, २०१६ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण (३३)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण (३२)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
विभाग-३, कुल गुण		
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''यदि तुम सच्चे सिद्ध हो तो मुझे अपनी सिद्धि दिखाओ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''वेद, ब्राह्मण, सन्त, पतिव्रता एवं विद्वान का आदर करें ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''वहाँ संसार की गंदगी का प्रवेश न हो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. आत्माराम ने महाराजा विजयसिंहजी के आदमियों को कहा, ''ऐसा कुर्ता और किसी के लिए नहीं बन सकता ।''

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. कलेक्टर एन्ड्रयुज डनलोप ने अहमदाबाद में स्वामिनारायण का आश्रम, मठ, या मन्दिर की पूछताछ की ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम

३. कारियाणी में श्रीहरि ने अकेले स्वामी गोपालानन्दजी को अक्षर ओरडी में अपने पास बैठाया ।

....

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. काकाभाई को दर्शन २. गढ़पुर में मूर्तिप्रतिष्ठा ३. हिंसामय यज्ञ का खंडन

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५		नाम	प्र - ४ गुण - ५		नाम	प्र - ५ गुण - ४		नाम

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. वणकर तेजाभाई किस के द्वारा स्वामिनारायण संप्रदाय में जुड़े थे ? गुण : १ [ ]

.....

.....

२. श्रीहरि ने परमहंसों को स्त्रियों का त्याग कैसे करने को कहा ? गुण : १ [ ]

.....

.....

३. उमरेठ के ब्राह्मणों श्रीहरि के पास किस को लाये ? वे केसा था ? गुण : १ [ ]

.....

.....

४. लालदास को बुलाकर श्रीहरि ने क्या कहा ? गुण : १ [ ]

.....

.....

५. मूलुखाचर किस किस के टोकने से व्यसनमुक्त हुए ? गुण : १ [ ]

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गवर्नर ज्हॉन माल्कम से भेंट गुण : २ [ ]

(१) [ ] परमेश्वर की पतिभाव से सेवा-पूजा करनी चाहिए ।

(२) [ ] बहुत अच्छी सलाह दी ।

(३) [ ] गौओं एवं सत्संगियों की रक्षा करना ।

(४) [ ] हमारा और हमारे मित्रों का कल्याण करना ।

२. सौराष्ट्र के मंदिर गुण : २ [ ]

(१) [ ] अपनी मूर्ति की स्थापना की । (२) [ ] दादाखाचर ने दरबारगढ़ कृष्णार्पण किया ।

(३) [ ] टीले पर की भूमि नहीं मिली । (४) [ ] वैष्णवानन्द स्वामी को भेजा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ४		नाम	प्र - ७ गुण - ९		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. ..... गाँव में श्रीहरि ने ..... स्वामी को जड़भरत कहा । गुण : १

२. सुन्दरजी ने ..... की आज्ञा से ..... मुंडवा दिया । गुण : १

३. लीमली गाँव के ..... की पत्नी ..... थी । गुण : १

४. ..... की ..... का उल्लंघन कभी नहीं करना चाहिए । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''इसका उत्तर हम तुम्हें किसी और दिन देंगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

.....

२. ''तुम यदि ऐसे व्यवहार करोगे तो तुम्हारी कौन सुनेगा ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

.....

३. ''शास्त्रार्थ होने दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर नित्यानन्द स्वामी देंगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

..... गुण : ३

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. लाडूबा ने बालपन से ही अपने मन को श्रीजीमहाराज की पूजा की ओर लगाया ।

.....

.....

.....

..... गुण : २

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ४		नाम

२. एक दिन किशोर उज्जैन से गढ़पुर महाराज के पास पहुँचा ।

....

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ 'आज्ञापालक दादाखाचर' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५		नाम	प्र - १० गुण - ४		नाम	प्र - ११ गुण - ६		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. जूनागढ़ के नवाब ने ग्वालियर के गवैये को क्या कहा ? गुण : १ [ ]

.....

.....

२. राघव भक्त ने कौन से कीर्तन की रचना की ? गुण : १ [ ]

.....

.....

३. महिलाओं की सभा में कौन प्रकट हुए ? गुण : १ [ ]

.....

.....

४. श्रीजीमहाराज के स्वधामगमन के पश्यात् प्रेमानन्द स्वामी की रचनाओं में कैसा चित्रण हुआ है ? गुण : १ [ ]

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : ब्रह्मचर्य में अडिग मूलजी ब्रह्मचारी

१. मूलजी ब्रह्मचारी को गुणातीतानन्द स्वामी ने सेवा से मुक्त कर दिया । **२.** मूलजीभाई यजमान की पुत्री को ससुराल से पीहर लेकर जा रहे थे । **३.** रास्ते में एकान्त स्थल पर रात को ठहरना पड़ गया । **४.** जेरामभाई ने मूलजी ब्रह्मचारी के पास जूतियाँ को तेल लगाने के लिए माँगी । **५.** मूलजी ब्रह्मचारीने स्वामी को उठा कर नीम के पेड़ के नीचे बैठा दिया । **६.** लड़की की कामाग्नि भड़कने पर वे मूलजीभाई के पास आई । **७.** यहाँ कोई भय नहीं है । **८.** नड़ियाद से सेब का टोकरा लेकर गढ़डा आए । **९.** लडकी को शिक्षा के वचन कहे । **१०.** दोपहर तक जागते रहे । **११.** शान्ति से सो जाओ । **१२.** ब्रह्मचारी को स्वप्न दिखाई दिया ।

(१) केवल सही क्रमांक [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३ [ ]

(२) यथार्थ घटनाक्रम [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] [ ] गुण : ३ [ ]

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **श्री कृष्णजी अदा :** किन्तु जब कृष्णजी अदा को पता चला कि राजकोट सभा से योगीजी महाराज को निकाले जाने वाले इस प्रस्ताव पर उसने हस्ताक्षर कर दिये हैं तो उन्होंने अपने चचेरेभाई एवं परम प्रिय मित्र हिराभाई से सदा के लिए सम्बन्ध तोड़ दिये ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ | |

२. **मुकुन्दानन्द वर्णी (मूलजी ब्रह्मचारी) :** मुझे स्वामी ने निकाल दिया है, मुझे अब अपने साथ नहीं रखते। देखो! आज मैं कड़ी धूप में नंगे पैर पाँच मन सेब का टोकरा सिर पर धरकर धुर नडियाद से लाया। पर स्वामी ने मेरे 'जय स्वामिनारायण' को भी स्वीकार नहीं किया ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ | |

३. **श्री अयोध्याप्रसादजी महाराज :** अहमदाबाद गद्दी के आदि (प्रथम) आचार्य रघुवीरजी का जन्म अयोध्या में संवत् १८६६ में वैशाख माह की शुक्ल पक्ष की द्वादशी के शुभ दिन हुआ था ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ | |

४. **प्रेमसखी प्रेमानन्द स्वामी :** गुरु की मूर्ति का चिन्तन हैं उनको तो हमें साष्टांग दण्डवत् करना चाहिए, वे इसी योग्य हैं । इन पदों में जिस ढंग से इन्होंने गाया है यदि उस रीति से कोई गुरु का ध्यान करे तो वह ग्रह, नक्षत्र और माया के बन्धन से दूसरों को मुक्त कर सकता है ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. सारंगपुर में प्रमुखस्वामी महाराज का ९५वाँ जन्म जयंती महोत्सव
२. संयम के द्वारा भगवान का साक्षात्कार
३. अक्षरधाम के दिव्य मास्टर आर्किटेक्ट : प्रमुखस्वामी महाराज

( ) .....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - १०		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें